

۱۰۰

سَيَقُولُ السُّفَهَاءُ مِنَ النَّاسِ مَا وَلَّاهُمْ عَنْ قِبَلَتِهِمْ الَّتِي

अभ बर्केगे भेवुकूक लोग, कि किसने केर दिया उन मुसलमानोंको उनके उस किवसे जिस

كَانُوا عَلَيْهَا ۖ قُلْ لِلَّهِ الشَّرْقُ وَالْمَغْرِبُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ

पर थे. केह दो कि अल्लाह हीके विये हे पूरभ पच्छिम. यवाओ जिसे याहे

إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۗ وَكَذَلِكَ جَعَلْنَاكُمْ أُمَّةً وَسَطًا لِتَكُونُوا

सीधा रास्ता (१४२) और इसी तरह कर दिया हमने तुमको बेहतर उम्मत, ताकि हो जाओ

شُهَدَاءَ عَلَى النَّاسِ وَيَكُونَ الرَّسُولُ عَلَيْكُمْ شَهِيدًا ۗ وَمَا

गवाह लोगों पर. और रसूल तुम पर गवाह व निगरां हो जाओ. और हम

جَعَلْنَا الْقِبْلَةَ الَّتِي كُنْتَ عَلَيْهَا إِلَّا لِنَعْلَمَ مَنْ يَتَّبِعُ الرَّسُولَ

ने नहीं बनाया था उस किवकेको जिस पर तुम थे, मगर इस विये कि अलग मा'लूम करा दें जो गुवामी करे रसूलकी उन

مِمَّنْ يَنْقَلِبُ عَلَى عَقْبَيْهِ ۗ وَإِنْ كَانَتْ لَكَبِيرَةً إِلَّا عَلَى

से जो उल्टे पांव लौटे. गो यह बात गिरां इध मगर उन पर

الَّذِينَ هَدَى اللَّهُ وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُضَيِعَ آيْمَانَكُمْ ۗ وَإِن

जिनको अल्लाहने छिदायत ही. और नहीं हे अल्लाह कि बेकार कर हे तुम्हारे ईमानको. भेशक

اللَّهُ بِالنَّاسِ لَرءٌ وَفٍ رَحِيمٌ ۗ قَدْ نَرَى تَقَلُّبَ وَجْهِكَ فِي

अल्लाह लोगों पर बेहद महरबान रहमतवाला हे (१४३) हम सुवाहजा कर रहे हैं तुम्हारे येडरेके बारबार

السَّمَاءِ فَلَنُوَلِّيَنَّكَ قِبْلَةً تَرْضَاهَا ۗ قَوْلٌ وَجْهِكَ شَطْرًا مُسْجِدِ

उठनेको, तो जरूर केर देंगे हम तुमको तुम्हारे पसन्दीदा किवकेकी तरफ, तो अब केर दो अपना रुभ मस्जिदे

الْحَرَامِ ۗ وَحَيْثُ مَا كُنْتُمْ فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ ۗ وَإِن

हरामकी तरफ. और तुम लोग जहां कहीं हो, अपना अपना रुभ उसीकी तरफ. करो और भेशक

الَّذِينَ أَوْتُوا الْكِتَابَ لَيَعْلَمُونَ أَنَّهُ الْحَقُّ مِنْ رَبِّهِمْ ۗ وَمَا

जो दिये गये थे किताब, जरूर जानते हैं कि भेशक, यह उक हे उनके रभकी तरफसे. और नहीं हे

اللَّهُ بِغَافِلٍ عَمَّا يَعْمَلُونَ ۗ وَلَيْنَ آيَاتِ الَّذِينَ أَوْتُوا الْكِتَابَ

अल्लाह बेगबलर उनके करतूतोसे (१४४) और अगर लाते तुम उनके पास जिनको किताब हे युका ही हे

بِكُلِّ آيَةٍ مَا تَبِعُوا قِبْلَتَكَ وَمَا أَنْتَ بِتَابِعٍ قِبْلَتَهُمْ وَمَا بَعْضُهُمْ

सारि निशानी, न पैरवी करते तुम्हारे किबलेकी, और न तुम ही उनके किबलेके पैरव हो, और न फुद उनमें अेक दूसरे

بِتَابِعٍ قِبْلَةٍ بَعْضٌ وَلَكِنْ اتَّبَعْتَ أَهْوَاءَهُمْ مِنْ بَعْدِ مَا

के किबलेका पैरव है. और अगर कोई तुम्हारा हो कर पैरवी करे उनकी प्वाडिशोंकी, बा'द एसके कि

جَاءَكَ مِنَ الْعَالَمِ إِنَّكَ إِذَا الْمَنِ الظَّالِمِينَ ۝۱۳۹ الَّذِينَ اتَّبَعْتَهُمْ

आया तुम्हारे पास एल्म, तो बे-शक वोड तुम्हारा एस सूरतमें उदसे बढ जानेवालोंसे है (१४५) जिनको डमने किताब दी है,

الْكِتَابَ يَعْرِفُونَهُ كَمَا يَعْرِفُونَ أَبْنَاءَهُمْ وَإِنَّ فَرِيقًا مِنْهُمْ

पडयानते हैं पैगम्बरे एस्लामको, जैसे लोग अपने बेटोंको पडयानें. और बेशक उनमेंसे अेक गिरोड

لَيَكْتُمُونَ الْحَقَّ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ۝۱۴۰ الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ فَلَا

उकको उर्रर छुपाता है, जानते भूजते (१४६)... यह उक है लोगो! तुम्हारे रबकी तरफसे, तो

تَكُونَنَّ مِنَ الْمُسْتَرِينَ ۝۱۴۱ وَلِكُلِّ وِجْهَةٍ هُوَ مَوْلِيٌّ فَاسْتَبِقُوا

उरगिज शक न करना (१४७) और उर अेकके लिये अेक रुप है कि उसकी तरफ मुतवज्जएड है, तो नेकियोंमें आगे बढने

الْحَيَاتِ ۝۱۴۲ مَا تَكُونُوا يَأْتِ بِكُمْ اللَّهُ جَمِيعًا إِنَّ اللَّهَ

की प्वाडिश करो... जहां कहीं होगे तुम सबको अल्लाड ले आयेगा. बेशक अल्लाड

عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝۱۴۳ وَمَنْ حَيْثُ خَرَجْتَ قَوْلٍ وَجْهَكَ

उर याडे पर कादिर है (१४८) और जहांसे निकलो, अपना मुंड

شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَإِنَّهُ لَلْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ

मस्जिडे उरामकी तरफ रभो, और बे-शक वोड उर्रर उक है तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे. और नहीं है अल्लाड बे-भबर

عَمَّا تَعْمَلُونَ ۝۱۴۴ وَمَنْ حَيْثُ خَرَجْتَ قَوْلٍ وَجْهَكَ شَطْرَ

तुम्हारे किये अमलोंसे (१४९) और जहांसे सफर करो, तो अपने मुंडको मस्जिडे उराम

الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَحَيْثُ مَا كُنْتُمْ فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ

की तरफ किया करो. और जहां भी रडो, अपना अपना मुंड उसी तरफ डेरा करो,

لِيَلَّا يَكُونَ لِلنَّاسِ عَلَيْكُمْ حُجَّةٌ إِلَّا الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ

ताकि न रड जाये लोगोंको तुम पर कोई डुज्जत, मगर वोड जो उदसे बढ चुके हैं,

فَلَا تَخْشَوْهُمْ وَاخْشَوْنِي ۚ وَلَا تَمَّ نِعْمَتِي عَلَيْكُمْ وَلَعَلَّكُمْ

تو ان سے ڈرو مت، اور مجھ کو ڈرو، اور تاکہ میں اپنی نعمة تم پر पूरी کر दूँ, और ऐसा हो कि तुम

تَهْتَدُونَ ۝ كَمَا أَرْسَلْنَا فِيكُمْ رَسُولًا مِّنكُمْ يَتْلُوا عَلَيْكُمْ آيَاتِنَا

छिदायत पाओ (१५०) जैसा कि तेजा हमने तुममें अक रसूल, तुम मेंसे, तिलावत करें तुम पर हमारी आयतें

وَيُذَكِّرُكُمْ وَيُعَلِّمُكُمُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ وَيُعَلِّمُكُم مَّا لَمْ تَكُونُوا

और पाक करें तुमको और सिपाओ तुमको किताब, और हिकमत, और बताओ जो तुम जानते ही न

تَعْلَمُونَ ۝ فَادْكُرُونِي أذكُرْكُمْ وَاشْكُرُوا لِي وَلَا تَكْفُرُون ۝

थे (१५१) तो मेरा जिक करो, मैं तुम्हारा यर्था कर दूँगा और मेरे शुक्र गुजार हो, और कुफाने नعمة न करो (१५२)

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اسْتَعِينُوا بِالصَّبْرِ وَالصَّلَاةِ ۗ إِنَّ اللَّهَ مَعَ

ऐ ईमानवालो ! मदद याहो सभ्र और नमाजसे, बे-शक अल्लाह सभ्र करने

الصَّابِرِينَ ۝ وَلَا تَقُولُوا لِمَنْ يُقْتَلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ أَمْواتٌ بَلْ

वालोंके साथ है (१५३) और मत कहो उसको जो कत्व किया जाअे अल्लाहकी राहमें मुदा, बल्कि वोह

أَحْيَاءٌ وَلَكِنْ لَا تَشْعُرُونَ ۝ وَلَنَبِّئَنَّكُمْ بِشَيْءٍ مِّنَ الْخَوْفِ وَ

जिन्दा हैं, लेकिन तुम्हें शरीर नहीं (१५४) और ज़रूर ही आजमाओगे हम तुमको कुछ डर और

الْجُوعِ وَنَقْصٍ مِّنَ الْأَمْوَالِ وَالْأَنْفُسِ وَالتَّمَرَاتِ ۗ وَبَشِّرِ

भूकसे, और कुछ मालों और जानों और इलोंके नुकसानसे, और भुश पबरी दे दी

الصَّابِرِينَ ۝ الَّذِينَ إِذَا أَصَابَتْهُمُ مُصِيبَةٌ قَالُوا إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا

सभ्र करनेवालोंको (१५५) जिनको जब मुसीबत पडोयी, तो बोले, कि “बे-शक हम अल्लाहके लिये हैं और बेशक हम

إِلَيْهِ رَاجِعُونَ ۝ أُولَئِكَ عَلَيْهِمْ صَلَوَاتٌ مِّن رَّبِّهِمْ وَرَحْمَةٌ وَأُولَئِكَ

उसीकी तरफ लौटनेवाले हैं” (१५६) यही लोग हैं जिन पर बार बार दुरद है उनके परवरदिगारकी तरफसे और रहमत है... और यही

هُمُ الْمُهْتَدُونَ ۝ إِنَّ الصَّافَا وَالْمَرْوَةَ مِنَ شَعَابِرِ اللَّهِ ۗ مَن حَجَّ

हैं छिदायत याफता (१५७) बेशक सफा व मरवा अल्लाहकी निशानियोंसे हैं. पस जिसने बेतुल्लाहका डज

الْبَيْتِ أَوْ اعْتَمَرَ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِ أَنْ يَطَّوَّفَ بِهِمَا وَمَن تَطَوَّعَ

किया, या उभरुड किया, तो उस पर कोई ठल्लाम नहीं, कि सफा मरवाके इरे काटे, और जिसने नकलके तौर पर अदा किया

۱۵۱
تَعْلَمُونَ

خَيْرًا فَإِنَّ اللَّهَ شَاكِرٌ عَلِيمٌ ﴿۱۵۸﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ مَا أَنزَلْنَا مِنَ

नेकीको, तो बेशक अल्लाह अज्ज टेनेवाला जाननेवाला है (१५८) बे-शक जो लोग छुपाओं वोह, जो उतारा हमने

الْبَيِّنَاتِ وَالْهُدَىٰ مِنْ بَعْدِ مَا بَيَّنَّاهُ لِلنَّاسِ فِي الْكِتَابِ أُولَٰئِكَ

शैशन बातों और छिदायतको, भा'द' ठसके कि बयान करमा दिया हमने उसको लोगोंके लिये किताबमें, वोह लोग हैं

يَلْعَنُهُمُ اللَّهُ وَيَلْعَنُهُمُ اللّٰعُنُونَ ﴿۱۵۹﴾ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا وَأَصْحَابُ

कि उन पर अल्लाहकी झिटकार और सारे ला'नत करनेवालोंकी ला'नत है (१५९) मगर जिसने तोबा कर ली और ठरवाह कर दी,

وَبَيَّنَّا فَاُولَٰئِكَ أَتُوبٌ عَلَيْهِمْ وَأَنَا التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ﴿۱۶۰﴾ إِنَّ الَّذِينَ

ओर भोल कर रभ दिया, तो वोह लोग हैं किमें कबूल करमा लूंगा उनकी तोबाको. और मेंही तोबाका बडा कबूल करमानेवाला रहमतवाला हूँ (१६०) बे-शक

كَفَرُوا وَمَاتُوا وَهُمْ كُفَّارٌ أُولَٰئِكَ عَلَيْهِمُ لعنةُ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةِ

जिन्होंने कुफ़ किया और मरे काफ़िर ही, वोह लोग हैं जिन पर अल्लाहकी ला'नत है, और इरिशतोंकी,

وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ﴿۱۶۱﴾ خُلِدِينَ فِيهَا لَا يُخَفَّفُ عَنْهُمُ الْعَذَابُ

और ठन्सानोंकी सबकी (१६१) हमेशा रहनेवाले उसीमें. न हल्का किया जायेगा उन पर अजाब,

وَلَا هُمْ يُنظَرُونَ ﴿۱۶۲﴾ وَاللَّهُمَّ إِلَهٌ وَاحِدٌ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الرَّحْمَنُ

और न वोह मोडलत दिये जाओगे (१६२) और तुम लोगोंका मा'बूद, अक मा'बूद है. कोठ मा'बूद नहीं, सिवा उसी बडे महरबान

الرَّحِيمِ ﴿۱۶۳﴾ إِنَّ فِي خَلْقِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَاخْتِلَافِ اللَّيْلِ

रहमतवालेके (१६३) बेशक आस्मानों और जमीनकी पैदाइश, और रात दिनके उलट फेर,

وَالنَّهَارِ وَالْفَلَكَ الَّتِي تَجْرِي فِي الْبَحْرِ بِمَا يَنْفَعُ النَّاسَ وَمَا

और कश्तियां जो दरियामें लिये चलती हैं उसको जो लोगोंकी नफ़अ दे, और जो

أَنزَلَ اللَّهُ مِنَ السَّمَاءِ مِنْ مَّاءٍ فَأَحْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا

उतारा अल्लाहने आस्मानकी सिमतसे पानी, फिर उससे जिन्दगानी दे दी जमीनको उसके मर जानेके

وَبَيِّنَاتٍ فِيهَا مِنْ كُلِّ دَآئِبَةٍ وَتَصْرِيفِ الرِّيْحِ وَالسَّحَابِ الْمُسَخَّرِ

भा'द', और झैला दिया उसमें सबी तरहके जानवर, और उवाओंकी मुप्तलिक़ खाव, और वोह अफ़्र जो आस्मान व जमीन

بَيْنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ لآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ﴿۱۶۴﴾ وَمِنَ النَّاسِ

के दरमियान पाबन्द है, ठन सबमें जरूर निशानियां हैं उस कोमके लिये जो अकलसे कामले (१६४) और आम लोगोंसे औसे भी हैं

مَنْ يَتَّخِذْ مِنْ دُونِ اللَّهِ إِندَادًا يُحِبُّونَهُمْ كَحُبِّ اللَّهِ وَالَّذِينَ

جو बनाते हैं अल्लाहको छोडकर कछ मा'बूद, और उनकी मडबत रभें जैसे पुढाकी मडबत. और जो ठमान

أَمَنُوا أَشَدُّ حُبًّا لِلَّهِ وَلَوْ يَرَى الَّذِينَ ظَلَمُوا إِذْ يَرُونَ الْعَذَابَ

वा चुके, वोड सभसे ज्यादा मतवाले हैं अल्लाहके लिये. और क्या काँछदा अगर देभ ली लें यड जालिम लोग उस वक्त, जबकि देभेंगे आंभसे

أَنَّ الْقُوَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا ۚ وَأَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعَذَابِ ۝ ۱۶۵

अजाभकी, कि बिवाशुभल ओर अल्लाहके लिये हे सभ, और बे-शक अल्लाहका अजाभ सभत हे (१६५) जिस वक्त कि बेजार हो गभे

الَّذِينَ اتَّبَعُوا مِنَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا وَرَأُوا الْعَذَابَ وَتَقَطَّعَتْ

जिनकी पैरवीकी गछ उनसे, जिन्होंने पैरवीकी थी, और आंभोंसे देभ लिया अजाभकी और कट गभे

بِهِمُ السَّبَابُ ۝ ۱۶۶ وَقَالَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا لَوْ أَنَّ لَنَا كَرَّةٌ فَنَتَبَرَّأَ

उनके रिश्ते (१६६) और बोले वोड, जिन्होंने पैरवीकी थी, "काश डमारी दुन्या दोबारा हो, तो डम उनसे बेजार

مِنْهُمْ كَمَا تَبَرَّأْنَا مِنْكَ كَذَلِكَ يُرِيهِمُ اللَّهُ أَعْمَالَهُمْ حَسَرَاتٍ

हों, जिस तरड उन्होंने डमसे बेजारीकी हे." ठसी तरड दिभाता हे उनको अल्लाह, उनके करतूतोंकी सामाने डसरत बनाकर

عَلَيْهِمْ وَمَا هُمْ بِمُخْرَجِينَ مِنَ النَّارِ يَا أَيُّهَا النَّاسُ كُفُّوا أَيْدِيَكُمْ

उन पर और नही हैं वोड निकलनेवाले जडनमसे (१६७) अै लोगो ! भाओ जो कुछ

فِي الْأَرْضِ حَلَالًا طَيِّبًا ۚ وَلَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ إِنَّهُ

जमीनमेंसे हे डलाव पाकीजा, और न यलो कडम डकडम शैतानके. बे-शक वोड

لَكُمْ عَدُوٌّ مُبِينٌ ۚ إِنَّمَا يَأْمُرُكُمْ بِالسُّوءِ وَالْفَحْشَاءِ وَأَنْتُمْ

तुम्हारे लिये भुवा डुवा दुश्मन हे (१६८) भस वोड यही डुकुम देता हे बुराई और बेशर्मीका, और यड कि

تَقُولُوا عَلَى اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ۝ ۱۶۹ وَإِذْ أَقِيلَ لَهُمُ اتِّبِعُوا مَا

जोडो अल्लाह पर वोड, जिसको तुम जानते ही नही (१६८) और जब उनसे कडा गया कि पैरवी करो जिसको

أَنْزَلَ اللَّهُ قَالُوا بَلْ نَتَّبِعُ مَا الْفَيْثَانَا عَلَيْهِ أَبَاءَنَا أَوْ لَوْ كَانَ

अल्लाहने उतारा हे, तो बोले भडि डम तो उसकी पैरवी करते हैं जिस पर डमने अपने भापदादाको पाया. क्या गो उनके

أَبَاؤُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ شَيْئًا وَلَا يَهْتَدُونَ ۝ ۱۷۰ وَمَثَلُ الَّذِينَ

भापदादा न कुछ अकल ही रभते हों, और न डिदायत. (१७०) काकिरोंकी मिषाल

بِأَبَائِهِمْ كَمَا اتَّبَعُوا أَهْلَ الْأَنْبِيَاءِ ۚ إِنَّهُمْ كَانُوا قَوْمًا يَفْقَهُونَ

अपने भापदादाके लिये जैसा वे अपने पिताओंके लिये करते हैं. वे समझनेवाले लोग थे. (१७१) और जो

تَتَّبِعُوا أَهْلَ الْأَنْبِيَاءِ قُلُوبُهُمْ مُتَّعِقَةٌ خَلْفَهُمْ يَأْمُرُوكَ بِالطَّغْيٰتِ وَنَجَّيْنَا

जो पैरवी करते हैं, उनके दिल उनके पीछे चले जाते हैं. वे अज्ञानताके लिये आह्वान करते हैं. और हमने

أَبْنَاءَهُمْ مِنَ الْغَمِّ ۚ وَكَذَلِكَ نُفَصِّلُ الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ۝ ۱۷۱

अपने बच्चोंके लिये दुःखसे बचाया. और इसी तरह हम अल्लाहके आयतोंके लिये समझनेवालोंके लिये

كَفَرُوا كَمَا كَفَرَ الَّذِينَ قَبْلَهُمْ ۗ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَنُدْخِلَنَّهُمْ فِي الصَّالِحِينَ ۗ

उसकी जैसी है, जो आवाज दे उसको, जो कुछ सुनता ही नहीं सिवा भीष और पुकारके, बहरे

بِكُمْ عَمَىٰ فَمَهُمْ لَا يَعْقِلُونَ ﴿۱۵۱﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُفُّوا عَنَّا

गूंगे अन्धे, उन्हें तो अक्ल ही नहीं (१७१) अय ईमानवालो ! भाओ

كُفُّوا عَنَّا مَا رَزَقْنَاكُمْ وَاشْكُرُوا لِلَّهِ إِنْ كُنْتُمْ إِيَّاهُ تَعْبُدُونَ ﴿۱۵۲﴾

पाकीजा थीजोंसे जो हमने तुमको रोजी करमा दी, और शुक्रगुजार हो अल्लाहके, अगर तुम उसीको पूजते हो (१७२)

إِنَّمَا حَرَّمَ عَلَيْكُمُ الْمَيْتَةَ وَالدَّمَ وَلَحْمَ الْخِنْزِيرِ وَمَا أَهْلَ بِهِ

और बस यही हराम करमा दिया है तुम पर मुर्दाकरी, और भूनको, और सुव्वरके गोश्तको, और उस जानवरको, जो जन्म किया गया

لِغَيْرِ اللَّهِ فَمَنْ اضْطُرَّ غَيْرَ بَاغٍ وَلَا عَادٍ فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۗ إِنَّ

गैरे भुटाका नाम लेते हूँ, तो जो बे-करार हो गया, न भ्वादिशमन्ट है और न उदसे बढनेवाला है, तो उस पर कोई गुनाह नहीं. बेशक

اللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۵۳﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ مَا أَنزَلَ اللَّهُ مِنْ

अल्लाह बप्शनेवाला रहमतवाला है (१७३) बेशक जो लोग छुपाओ जिसको उतारा अल्लाहने किताबसे,

الْكِتَابِ وَيَشْتَرُونَ بِهِ ثَمَنًا قَلِيلًا ۗ أُولَٰئِكَ مَا يَأْكُلُونَ فِي

और उससे छसिल करे थोडी कीमत, वोह लोग नहीं भाते

بُطُونِهِمْ إِلَّا النَّارَ وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَلَا يُزَكِّيهِمْ ۗ

अपने पेटमें, मगर आग, और न क्लाम करमाओगा उनसे अल्लाह, कयामतके दिन, और न उनको पाक करमाओगा,

وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۵۴﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اسْتَرَوْا الضَّلَاتِ بِالْهُدَىٰ

और उनके लिये दुःख देनेवाला अजाब है (१७४) वोह लोग हैं जिन्होंने बरीदा गुमराहीको छिदायतके बढवे,

وَالْعَذَابُ بِالسَّعْفَةِ ۗ فَمَا أَصْبَرَهُمْ عَلَى النَّارِ ﴿۱۵۵﴾ ذَٰلِكَ بِأَنَّ

और अजाबको बप्शिशके बढवे. बडे अज्जब सध्र करनेवाले हैं आग ही पर (१७५) यह थूं कि

اللَّهُ نَزَّلَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ وَإِنَّ الَّذِينَ اخْتَلَفُوا فِي الْكِتَابِ

अल्लाहने उतारी किताब उकके साथ, और बे-शक जिन्होंने छप्तिवाक पैदा किया किताबमें,

لِفِي شِقَاقٍ بَعِيدٍ ۗ لَيْسَ الْبِرَّ أَنْ تُوَلُّوا وُجُوهَكُمْ قَبْلَ

ज३२ वोह परले दरजेके जिदमें हैं (१७६) नहीं है नेकी बिडी कि मुंह कर दो

الشَّرِيقَ وَالْمَغْرِبَ وَلَكِنَّ الْبِرَّ مَنْ آمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

पूरुभ पख्खिभकी तरफ़, लेकिन नेकी उसकी है, जो मान गया अल्लाह और पिछले दिन

وَالسَّلِيكَةَ وَالْكِتَابَ وَالنَّبِيْنَ وَآتَى الْمَالَ عَلَى حُبِّ ذَوِي

और इरिशतों और किताब और पैगम्बरोंकी और माल दिया अल्लाहकी महबूबतमें कराबत

الْقُرْبَى وَالْيَتَامَى وَالْمَسْكِيْنَ وَابْنَ السَّبِيْلِ وَالسَّائِلِيْنَ

दारोंकी, और यतीमोंकी और भिरकीनोंकी और मुसाफ़िरकी, और भंगता लोगोंकी,

وَفِي الرِّقَابِ وَأَقَامَ الصَّلَاةَ وَآتَى الزَّكَاةَ وَالْمُؤْتُونَ بِعَهْدِهِمْ

और गरदन आजाद करानेमें, और काठम रभा नमाजकी, और दिया जकातकी, और पूरा करनेवाले अपने अहदकी

إِذَا عَاهَدُوا وَالصَّابِرِيْنَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالصَّرَاءِ وَحِينَ الْبَأْسِ

जब मुआहदा कर चुके, और सभ्र करनेवाले तंगी और सप्तीमें और जिहादके वक़्त,

أُولَئِكَ الَّذِينَ صَدَقُوا وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ ﴿۱۷۷﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

यही लोग हैं जो सच्चे निकले, और यही लोग परहेजगारी करनेवाले हैं (१७७) अथ

آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِصَاصُ فِي الْقَتْلِ الْحَرْبِ بِالْحَرْبِ وَالْعَبْدُ

मुसलमानो ! फ़र्ज कर दिया गया तुम पर पूनका बदला लेना ना-उक कत्व किये गये लोगोंके बारेमें. आजादके बदले आजाद और गुलाम

بِالْعَبْدِ وَالْأَنْثَى بِالْأُنْثَى فَمَنْ عُفِيَ لَهُ مِنْ أَخِيهِ شَيْءٌ

के बदले गुलाम, और औरतके बदले औरत. हां जिसके लिये उसके भाईकी तरफ़से कुछ मुआफी दे दी गई,

فَاتَّبِعْهُ بِالْمَعْرُوفِ وَأَدِّ إِلَيْهِ بِإِحْسَانٍ ذَلِكَ تَخْفِيفٌ مِّن

तो दिख्यतका तकाजा करना है उम्हगीके साथ, और उसका अदा कर देना है भुशीके साथ. यह तफ़्फ़ीक़ सजा तुम्हारे

رَبِّكُمْ وَرَحْمَةٌ فَمَنْ أَعْتَدَى بِعَدَاةٍ فَلَهُ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۷۸﴾

रभकी तरफ़से है, और रडमत है. तो जो उदसे बढा उसके बा'द, तो उसके लिये दुभ देनेवाला अजाब है (१७८)

وَلَكُمْ فِي الْقِصَاصِ حَيَوةٌ يَا أُولِي الْأَلْبَابِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿۱۷۹﴾

और तुम्हारे लिये पूनके बदला लेनेमें जिन्दगानी है अथ अकलवालो ! कि अबसे तुम डरो (१७९)

كُتِبَ عَلَيْكُمْ إِذَا حَضَرَ أَحَدَكُمُ الْمَوْتُ إِنْ تَرَكَ خَيْرًا الْوَصِيَّةُ

तुम पर फ़र्ज किया गया जब कि आ जाये तुम मेंसे किसीकी मौत, अगर छोड़े कुछ सरमायाकी, वसियत करना,

لِلْوَالِدَيْنِ وَالْأَقْرَبِينَ بِالْمَعْرُوفِ حَقًّا عَلَى الْمُسْتَقِيمِ ﴿۱۸۰﴾ فَمَنْ

मां बाप और कराबतमन्टोंके लिये नेक रिवाजके मुवाफिक. यह हक है परहेजगारोंके बाजू पर (१८०) तो जिसने

بَدَّلَهُ بَعْدَ مَا سَمِعَهُ فَإِنَّمَا إِثْمُهُ عَلَى الَّذِينَ يُبَدِّلُونَهُ ۗ

वसिथत बदल दी, बाद ईसके कि उसको सुन लिया, तो उसका गुनाह उन पर है जो उसको बदल डालें.

إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۸۱﴾ فَمَنْ خَافَ مِنْ مَوْصٍ جَنَفًا أَوْ أَثْمًا

बेशक अल्लाह सुननेवाला जाननेवाला है (१८१) हां, जो डरा वसिथत करनेवालेकी तरफसे किसी बेईन्साफी या गुनाहको,

فَأَصْدَحَ بَيْنَهُمْ فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿۱۸۲﴾ يَا أَيُّهَا

फिर उनमें सुलह करा दी, तो उस पर कोई गुनाह नहीं. बेशक अल्लाह बड़ा अप्शनेवाला रहमतवाला है (१८२) अथ

الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الصِّيَامُ كَمَا كُتِبَ عَلَى الَّذِينَ

ईमानवालो! इर्ज किया गया तुम पर रोजा, जिस तरह इर्ज किया गया उन पर, जो

مِن قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿۱۸۳﴾ أَيَّامًا مَّعْدُودَاتٍ ۗ فَمَنْ كَانَ

तुमसे पहले थे, कि अब परहेजगार हो जाओ (१८३) यन्द् गिन्तीके दिन. पस जो

مِنْكُمْ مَّرِيضًا أَوْ عَلَى سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِّنْ أَيَّامٍ أُخَرَ ۗ وَعَلَى

तुममेंसे भीमार हो गया, या सफर पर है, तो शुमार है दूसरे दिनोंमें. और उन पर

الَّذِينَ يُطِيقُونَ فِدْيَةَ طَعَامٍ مَّسْكِينٍ ۗ فَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا

जो ताकत पो चुके हैं, रोजेका फिदया है अक मिसकीनको पाना भिला देना, तो जिसने नफ़लकी तरह नेकीकी,

فَهُوَ خَيْرٌ لَهُ ۗ وَأَنْ تَصُومُوا خَيْرٌ لَّكُمْ إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ﴿۱۸۴﴾

तो यह उसके लिये बेहतर है. और रोजा रचना तुम्हारे लिये बेहतर है, अगर तुम ईल्मसे काम लो (१८४)

شَهْرٍ رَّمَضَانَ الَّذِي أُنزِلَ فِيهِ الْقُرْآنُ هُدًى لِّلنَّاسِ وَ

महीना रमजानका वोह, कि उतारा गया जिसमें कुरआन, छिदायत ईन्सानोंके लिये, और

بَيِّنَاتٍ مِّنَ الْهُدَى وَالْفُرْقَانِ ۗ فَمَنْ شَرِهَدَ مِنْكُمُ الشَّهْرَ

शौशन बाद छिदायत और ईसलेकी. तो जिसने पा लिया तुम मेंसे ईस महीनेको,

فَلْيَصُمْهُ ۗ وَمَنْ كَانَ مَّرِيضًا أَوْ عَلَى سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِّنْ أَيَّامٍ

तो उसके रोजे रभे. और जो भीमार है या बहावते सफर है, तो उसके लिये शुमार है दूसरे दिनों

أَخْرَيْدُ اللَّهِ بِكُمْ الْيَسْرَ وَلَا يُرِيدُ بِكُمْ الْعُسْرَ وَلِتُكْمِلُوا

سے۔ یاد دلاتا ہے اذیتوں سے بچانے کے لیے تمہارے ساتھ آسانی کو، اور نہ ہی تمہارے لیے دشواری کو، اور اس لیے کہ تمہاری

الْعِدَّةَ وَلِتُكَبِّرُوا اللَّهَ عَلَىٰ مَا هَدَاكُمْ وَلَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿۱۸۵﴾

گنتی پوری کر لو، اور اذیتوں سے بچانے کے لیے تمہاری یاد دلاتی ہے، اور اب تو شکر گزار ہو جاؤ (۱۸۵)

وَإِذَا سَأَلَكَ عِبَادِي عَنِّي فَإِنِّي قَرِيبٌ ۖ أُجِيبُ دَعْوَةَ الدَّاعِ

اور جب تمہارے سے میرے پاس سے، تو دعا میں نہایت ہی، پکارنے والے کی دعا کو قبول کرتا ہوں۔ جب

إِذَا دَعَانِ ۗ فَلْيَسْتَجِيبُوا لِي وَلْيُؤْمِنُوا بِي لَعَلَّهُمْ يَرْشُدُونَ ﴿۱۸۶﴾

میں سے پکارے۔ تو ان کا کام ہے کہ میرے حکم کی تعمیل کرتے رہیں اور مجھ پر ایمان لے لیں کہ اب تو سیدھے

أَحِلَّ لَكُمْ لَيْلَةَ الصِّيَامِ الرَّفَثُ إِلَىٰ نِسَائِكُمْ ۚ هُنَّ لِبَاسٌ لَّكُمْ

ذرا کر دیا گیا تمہارے لیے۔ رات کو اپنی اور تمہارے پاس جانا۔ وہ لباس ہے تمہاری،

وَأَنْتُمْ لِبَاسٌ لَّهُنَّ ۗ عَلِمَ اللَّهُ أَنَّكُمْ كُنْتُمْ تَخْتَلَوْنَ أَنْفُسَكُمْ

اور تمہیں لباس ہے ان کے۔ جان چکا تھا اذیتوں سے، کہ تمہیں تمہیں سے ملنے کے لیے

فَتَابَ عَلَيْكُمْ وَعَفَا عَنْكُمْ ۗ فَالَّذِينَ بَشَرُوا هُنَّ وَأَبْتَغُوا مَا

تو تمہیں قبول کرتا ہے اور تمہیں معاف کرتا ہے۔ پس اب تمہیں معاف کر دیتا ہے، اور تمہیں معاف کر دیتا ہے، جو

كَتَبَ اللَّهُ لَكُمْ ۚ وَكُلُوا وَاشْرَبُوا حَتَّىٰ يَتَبَيَّنَ لَكُمُ الْخَيْطُ

اذیتوں سے تمہیں معاف کر دیتا ہے۔ اور تمہیں معاف کر دیتا ہے، یہاں تک کہ تمہیں معاف کر دیتا ہے اور تمہیں معاف کر دیتا ہے

الْأَبْيَضُ مِنَ الْخَيْطِ الْأَسْوَدِ مِنَ الْفَجْرِ ۚ ثُمَّ أَتُوا الصِّيَامَ

سیدھے اور سیاہی سے، جو کے دن سے، کھینچ کر پورا کر کے

إِلَى الْيَلِّ ۗ وَلَا تَبَاشَرُوا هُنَّ وَأَنْتُمْ عَاكِفُونَ فِي الْمَسْجِدَاتِ ۚ

رات تک، اور نہ تمہیں معاف کر کے تمہیں معاف کر کے کہ تمہیں معاف کر کے کہ تمہیں معاف کر کے

حُدُّدِ اللَّهِ ۚ فَلَا تَقْرَبُوهَا ۗ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ آيَاتِهِ لِلنَّاسِ

کاموں سے اذیتوں سے بچانے کے لیے، تو ان کے حکم سے نہ جاؤ۔ اس لیے تمہیں معاف کر دیتا ہے اذیتوں سے اپنی نشانوں کے لیے

لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۱۸۷﴾ وَلَا تَأْكُلُوا أَمْوَالَكُمْ بَيْنَكُمْ بِالْبَاطِلِ ۚ

کہ اب تو تمہیں معاف کر دیتا ہے (۱۸۷) اور نہ تمہیں معاف کر دیتا ہے تمہیں معاف کر دیتا ہے

تُدَّوِّبُهَا إِلَى الْحَاكِمِ لِيَأْكُلُوا فَرِيقًا مِّنْ أَمْوَالِ النَّاسِ

نہ اُسکا مُکدما لے جآوے لُککام تک، اُٹھ گرز، کي لوگوںکا کُछ مال

بِأَلْسِنِهِمْ وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۱۸۸ ۱۸۹ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْأَهْلِ قُلْ هِيَ

ناہک جا لو، جانبُڑکَر (۱۷۷) تومسے پُछنے ہنّے یآندکی مُطنبکِ شکلوکے بارےمے، کُھ دو

مَوَاقِبُ لِلنَّاسِ وَالْحَبِطِ ۱۹۰ وَكَيْسَ الْبُرْيَانِ تَأْتُوا الْبُيُوتَ

“یہ لوگوںکے دیکھے اور اُچکے دیکھے تآریبکی پُھیان ہنّے۔” اور نہی ہنّے نہکی اُسمے کي دُرومے آآوے

مِنْ ظُهُورِهَا وَلَكِنَّ الْبُرْمَانَ اتَّقَى ۱۹۱ وَأَتُوا الْبُيُوتَ مِنْ أَبْوَابِهَا

پيُھواؤسے، اُٹا نہکی اُسکی اُٹے جيسنے پَرہؤگآریکی، اور آآوے دُرومے اُنکے دَرواؤسے،

وَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ۱۹۲ وَقَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ الَّذِينَ

اور اُلواؤسے اُڑو کي اُھ کامياہی پاؤوے (۱۷۷) اور لؤوے اُلواؤکی رآؤمے جؤ

يُقَاتِلُونَكُمْ وَلَا تَعْتَدُوا إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْمُعْتَدِينَ ۱۹۳ وَ

تومسے لڑوے اور کؤٹ جُھادتی نہ کرو۔ بَشک اُلواؤ پَسَنہ نہی اُمرماتا، جُھادتی کرنہواؤکو (۱۷۷) اور

اِقْتُلُوهُمْ حَيْثُ ثَقِفْتُمُوهُمْ وَأَخْرِجُوهُمْ مِّنْ حَيْثُ أَخْرَجْتُمُوهُمْ

اُنکو مار اُلووے جُھان پا جآوے اُنکو، اور نکال دو جُھانسے نکالوا تھا تومکو،

وَالْفِتْنَةَ أَشَدُّ مِنَ الْقَتْلِ ۱۹۴ وَلَا تَقْتُلُوهُمْ عِنْدَ الْمَسْجِدِ

اور اُنکا کيتا جُھاد سَمت ہنّے مار اُلنہسے۔ اور نہ لؤوے اُنسے مَسجِدے اُرامکے پاس،

الْحَرَامِ حَتَّى يُقْتَلُوا فِيهِ ۱۹۵ فَإِنْ قُتِلُوا فَامْتَحِنُوهُمْ كَذَلِكَ

یہاں تک کي تومسے لڑنہکی اُپنہدا اُرممے وُھ کر جُڑرے، تو اُگر وُھ پُھ تومسے لڑ پڑے، تو مارو اُنکو یہی

جَزَاءُ الْكَافِرِينَ ۱۹۶ فَإِنْ اتَّهَمُوا فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۱۹۷ وَ

سزا ہنّے کاکيرؤکی (۱۷۹) کير اُگر باؤ آا گئے، تو بَشک اُلواؤ اُپشنےواوا رُھمتواوا ہنّے (۱۷۷) اور

قَاتِلُوهُمْ حَتَّى لَا تَكُونَ فِتْنَةٌ وَيَكُونَ الدِّينُ لِلَّهِ ۱۹۸ فَإِنْ

اُنکو مارو یہاں تک کي نہ رُھ جآوے کؤٹ کيتا، اور سبکا دین اُلواؤکے واسطے اُلو جآوے۔ پَس اُگر

اتَّهَمُوا فَلَا عُدْوَانَ إِلَّا عَلَى الظَّالِمِينَ ۱۹۹ الشُّرَكَاءُ الْحَرَامُ بِالشُّرْ

وُھ باؤ آا گئے، تو جُھاد سَمتی نہی ہنّے مگر اُلميمؤ پَر (۱۷۷) ماہے اُرامکا اُھدا ماہے اُرام

الْحَرَامِ وَالْحُرْمَتِ قِصَاصٌ ۖ فَمَنْ اَعْتَدَى عَلَيْكُمْ فَاَعْتَدُوا

હે. और आदाब भरतनेमें अदवा बढवा हे. तो जिसने ज़्यादतीकी तुम पर, तो तुम भी ज़्यादती

عَلَيْهِ بِمِثْلِ مَا اَعْتَدَى عَلَيْكُمْ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ

કરો ઉસ પર, જેસી ઉસને જ્યાદતીકી થી તુમ પર. और अल्लाહसे डरो, और यकीन जानो कि भेशक

اللَّهُ مَعَ الْمُتَّقِينَ ۝۱۹۷ وَانْفِقُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَلَا تُلْقُوا

अल्लाह डरनेवालोंके साथ हे (१८४) और भर्य करो अल्लाहकी राहमें, और न डालो भुदकी

بِأَيْدِيكُمْ إِلَى التَّهْلُكَةِ ۖ وَأَحْسِنُوا ۗ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ

अपने हाथोंसे डलाकतमें. और अहसान करो. भेशक अल्लाह दोस्त रभता हे

الْحَسَنِينَ ۝۱۹۸ وَأَتُوا الْحَجَّ وَالْعُمْرَةَ لِلَّهِ ۖ فَإِنْ أُحْصِرْتُمْ

अहसान करनेवालोंको (१८५) और पूरा करो હજ વ ઉમ્રહકો अल्लाहके लिये. पस अगर रोक दिये गये तुम,

فَمَا اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ ۖ وَلَا تَحْلِفُوا بِرُءُوسِكُمْ حَتَّىٰ

तो भेजो जो आसानीसे कुरबानीका जानवर मिले. और न मुंडाओ अपने सरोंको, यहां तक कि

يَبْلُغَ الْهَدْيُ مَحَلَّهُ ۖ فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَّرِيضًا أَوْ بِهِ

पड़ोय जाओ कुरबानी अपनी जगह. तो जो तुम मेंसे भीमार हुवा, या उसके सरमें कुछ

مِنْ رَأْسِهِ فَفِدْيَةٌ مِّنْ صِيَامٍ أَوْ صَدَقَةٍ أَوْ نُسُكٍ ۖ فَإِذَا

तकलीफ हे, तो उसके लिये बढवा हे रोजे, या भैरात, या कुरबानी. फिर जब

أَمِنْتُمْ ۖ فَمَنْ تَشَعَّرَ بِالْعُمْرَةِ إِلَى الْحَجِّ فَمَا اسْتَيْسَرَ مِنَ

भैरो आङ्कितसे हुओ.... तो जिसने હજसे ઉમ્રહકો मिला देनेका फ़ाईदा उठाया, तो उस पर हे जो मयस्सर आओ

الْهَدْيِ ۖ فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَاثَةِ أَيَّامٍ فِي الْحَجِّ وَسَبْعَةٍ

कुरबानी. पर जिसने न पाई कुरबानी, तो रोजे हें तीन दिनके जमानओ हजमें, और सात दिनके

إِذَا رَجَعْتُمْ تِلْكَ عَشْرَةَ كَامِلَةً ۚ ذَٰلِكَ لِمَنْ لَّمْ يَكُنْ أَهْلًا

जब हजसे तुम वतन लौटे, यह पूरे दस हें. यह उसके लिये जिसके अडलो अयाल

حَاضِرِي السَّجْدِ الْحَرَامِ ۖ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ

मस्जिदे हरामके पड़ोसी नहीं हे. और अल्लाहकी डरो और जान रभो कि भेशक अल्लाह

شَدِيدُ الْعِقَابِ ۱۹۸ الْحَجُّ أَشْهُرٌ مَّعْلُومَةٌ ۱۹۹ فَمَنْ فَرَضَ

सप्त अजाब इरमानेवाला है (१८६) उज जाने भूजे यन् महीने हैं. तो जो इरीज-अ-उज

فِيهِنَّ الْحَجَّ فَلَا رَفْتٌ وَلَا فُسُوقٌ وَلَا جِدَالَ فِي الْحَجِّ ۲۰۰

अदा करने लगा उनमें, तो न औरतोंसे जिमाअका तजकिरा है, और न कोरि गुनाह है, और न उजमें

وَمَا تَفَعَّلُوا مِنْ خَيْرٍ يَّعْلَمُهُ اللَّهُ ۲۰۱ وَتَزَوَّدُوا فَإِنَّ خَيْرَ الزَّادِ

वडाई जगडा है. और तुम जो नेकी करो, अल्लाहको उसका ईल्म है... और तोशा जमा करो, कि बेशक सबसे

التَّقْوَىٰ ۲۰۲ وَاتَّقُوا يَا أُولِي الْأَلْبَابِ ۲۰۳ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ أَنْ

भेडतर तोशा भौके भुटा है. और मुजको डरा करो अय अकलवावो (१८७) नहीं है तुम पर कोरि ईल्जाम

تَبْتَغُوا فَضْلًا مِّن رَّبِّكُمْ ۲۰۴ فَإِذَا أَقَضْتُمْ مِّنْ عَرَفَاتٍ فَأذْكُرُوا

कि अपने रबका इज्जल तलाश करो. पस जब वापस हो तुम अरफातसे, तो जिक करो

اللَّهَ عِنْدَ الشَّعْرِ الْحَرَامِ ۲۰۵ وَاذْكُرُوهُ كَمَا هَدَاكُمْ وَإِنْ كُنْتُمْ

अल्लाहका मशअरे इरामके पास. और उसका जिक करो जिस तरड उसने तुमको बताया है, गो

مِّن قَبْلِهِ لِيَنَّ الصَّالِينَ ۲۰۶ ثُمَّ أَفِيضُوا مِّنْ حَيْثُ أَفَاضَ

पडवेसे तो तुम गुमराहोंसे थे (१८८) फिर लौट पडो जहांसे

النَّاسُ ۲۰۷ وَاسْتَغْفِرُوا اللَّهَ ۲۰۸ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۲۰۹ فَإِذَا أَقَضَيْتُمْ

सब लोग लौटे, और बप्पिश मांगो अल्लाहसे. बेशक अल्लाह बप्पशनेवाला रडमतवाला है (१८९) पस जब तुम

مِّنَاسِكُمْ فَأذْكُرُوا اللَّهَ كَذِكْرِكُمْ آبَاءَكُمْ أَوْ إِشْرَافِكُمْ

अरकाने उज पूरे कर चुके, तो अल्लाहका जिक करो, जैसे तजकिरा तुममें रडता है अपने बापदादका, बडिके

ذِكْرًا ۲۱۰ فَمِنَ النَّاسِ مَن يَقُولُ رَبَّنَا آتِنَا فِي الدُّنْيَا وَمَا

उससे कही ज़्यादा. तो कोरि आमी यूं केडता है, कि “अय डमारे रब, दे डमको दुन्यामें,” और नहीं है

لَهُ فِي الْآخِرَةِ مِّنْ خَلَقٍ ۲۱۱ وَمِنْهُمْ مَّن يَقُولُ رَبَّنَا آتِنَا

उसके बिये आभिरतमें कुछ भी डिस्सा (२००) और कोरि यूं केडता है, कि “परवरदिगार

فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ ۲۱۲

डमको दुन्यामें भुभी दे और आभिरतमें भलाई, और डमको बयाले अजाबे जडनमसे” (२०१)

الاصح

أُولَٰئِكَ لَهُمْ نَصِيبٌ مِّمَّا كَسَبُوا ۗ وَاللَّهُ سَرِيعُ الْحِسَابِ ﴿۲۰۲﴾

वोही हैं जिनके लिये हिस्सा है उनकी कमाईसे. और अल्वाह जल्द हिस्सा करनेवाला है (२०२) और

اذْكُرُوا اللَّهَ فِي أَيَّامٍ مَّعْدُودَاتٍ ۖ فَمَنْ تَعَجَّلَ فِي يَوْمَيْنِ

अल्वाहका जिक्र करो गिनतीके दिनोमें. तो जिसने जल्दीकी दो ही दिनमें,

فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۚ وَمَنْ تَأَخَّرَ فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۚ لَسِنَّةٌ لِّمَنْ اتَّقَىٰ وَاتَّقُوا اللَّهَ

तो उस पर कोई गुनाह नहीं. और जिसने देर कर दी, तो उस पर भी कोई गुनाह नहीं उसके लिये जो अल्वाहसे डरा. और अल्वाहसे

وَاعْلَمُوا أَنَّكُمْ إِلَٰهِي ۖ فَتُحْشَرُونَ ﴿۲۰۳﴾ ۚ وَمِنَ النَّاسِ مَن يُحِبُّكَ قَوْلًا فِي

उरो और जान रभो कि बेशक तुम उसकी तरफ उठाये जाओगे (२०३) और बा'ज लोग वोह हैं कि अच्छी लगे तुमको उसकी बातचीत

الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَيُشْهَدُ اللَّهُ عَلَىٰ مَا فِي قُلُوبِهِ ۚ وَهُوَ أَلَدُّ الْخِصَامِ ﴿۲۰४﴾

दुन्यावी जिनगीमें, और वोह गवाह बनाये अल्वाहको उस पर जो उसके दिलमें है, छायांकि वोह सभसे बडा जगडावू है (२०४)

وَإِذَا تَوَلَّىٰ سَعَىٰ فِي الْأَرْضِ لِيُفْسِدَ فِيهَا وَيُهْلِكَ الْحَرْثَ

और जहां पीठ ફेरी, तो जमीनमें दौंडूप करने लगा, ताकि उसमें फसाद मयाये और भेती

وَالنَّسْلَ ۗ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ الْفُسَادَ ﴿۲۰५﴾ ۚ وَإِذَا قِيلَ لَهُ اتَّقِ اللَّهَ

और नस्वको तबाह कर दे. और अल्वाह नहीं पसन्द करमाता फसादको (२०५) और जब उससे कडा गया कि अल्वाहसे

أَخَذَتْهُ الْعِزَّةُ بِالْإِثْمِ فَحَسِبُهُ جَهَنَّمَ وَلَبِئْسَ الْبِهَادُ ﴿۲۰६﴾ ۚ وَ

उर, तो उसकी नभ्वतने उभार दिया उसको गुनाहके लिये, तो काड़ी है उसको जहन्नम, और वोह ज़र भुरा बिस्तर है (२०६) और

مِنَ النَّاسِ مَن يَشْرِي نَفْسَهُ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ

बा'ज आदमी हैं जो बेये डालते हैं अपनी जानको, अल्वाहकी भुशी याहनेमें और

اللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ﴿۲०७﴾ ۚ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا ادْخُلُوا فِي السِّلْمِ

अल्वाह बेहद महरबान है भन्दों पर (२०७) अय ईमानवालो ! दाभिल हो ईस्लाममें

كَافَّةً ۗ وَلَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۗ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ ﴿۲०८﴾

पूरे पूरे, और न पैरवी करो शैतानके कदमोंकी. बेशक वोह तुम्हारे लिये भुला दुश्मन है (२०८)

فَإِنْ زَلَلْتُمْ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْكُمْ الْبَيِّنَاتُ فاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ

पस अगर तुम डगमगाये इसके बा'द, कि आ गई तुम्हारे पास साफ-साफ बातें, तो जान रभो, कि बेशक अल्वाह

عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۳۹﴾ هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا أَنْ يَأْتِيَهُمُ اللَّهُ فِي ظُلَلٍ

गलभेवावा छिक्तमतवाला है (२०८) उन्हें कुछ धन्तिजार नहीं मगर इसका, कि आ ले उनको अजाबे धलाडी, बादलके

مِنَ الْغَمَامِ وَالسَّيْلِ كَمَا أَتَى اللَّهُ الْأُمَمَ وَاللَّهُ يَرْجِعُ الْأُمُورَ

साभेभानमें, और इरिश्ते, और मुआमलेका हेसला कर दिया जाये. और अल्लाह हीकी तरफ तमाम कामोंका लौटना है (२१०)

سَلِّ بَنِي إِسْرَائِيلَ كَمَا آتَيْتَهُمْ مِنْ آيَةٍ بَيِّنَةٍ وَمَنْ يُبَدِّلْ

पूछ लो बनी इस्राएलको कि कितनी भुली निशानी हमने उनको दी थीं. और जो बदल डाले

نِعْمَةَ اللَّهِ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُ فَإِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ﴿۴०﴾

अल्लाहकी ने'मतको उसके आनेके बाद, तो भेशक अल्लाह सप्त अजाबे इरमानेवाला है (२११)

زِينَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا وَالْحَيَاةَ الدُّنْيَا وَيَسْخَرُونَ مِنَ الَّذِينَ

भुभसुरत निगाहमें कर दी गयी उनके जिन्हींने कुछ किया, दुन्यावी जिन्दगी, और वोड मजाक उडाते हैं धिमानवालों

آمَنُوا وَالَّذِينَ اتَّقَوْا فَوَقَّعَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَاللَّهُ يَرْمُقُ

से... और जो परडेजगार हूये, उनसे भुल-हो बावा होंगे कयामतके दिन. और अल्लाह रोजी दे

مَنْ يَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ﴿۴१﴾ كَانَ النَّاسُ أُمَّةً وَاحِدَةً فَبَعَثَ

जिसको चाहे अनगिनत (२१२) सारे धिसान अक ही उम्मत थे... फिर भेजा

اللَّهُ النَّبِيِّنَ مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ وَأَنْزَلَ مَعَهُمُ الْكِتَابَ

अल्लाहने पैगम्बरोंको भशारत सुनानेवाले और डरानेवाले. और उतारा उनके साथ किताबको

بِالْحَقِّ لِيَحْكُمَ بَيْنَ النَّاسِ فِيمَا اخْتَلَفُوا فِيهِ وَمَا اخْتَلَفَ

बिल्कुल उक, ताकि वोड हेसला इरमाया करे लोगोंके दरमियान, उसमें जिसमें उनोंने धिन्तिवाक किया. और किताबमें किसिने धिन्तिवाक

فِيهِ إِلَّا الَّذِينَ أُوْتُوا مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُمُ الْبَيِّنَاتُ بَغْيًا

नहीं किया, मगर उनोंने जिनको किताब दी गयी, बाद धिसेके कि आ गयी साक साक भाते, आपसकी डट

بَيْنَهُمْ فَهَدَى اللَّهُ الَّذِينَ آمَنُوا لِمَا اخْتَلَفُوا فِيهِ مِنْ

धर्मीसे, तो छिदायत इरमा दी अल्लाहने, उनकी जो धिमान ला चुके, इस बारेमें जिसमें वोड मुफ्तबिक हूये, हीक

الْحَقِّ بِإِذْنِهِ وَاللَّهُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۴२﴾

भातकी, अपने हुकमसे. और अल्लाह छिदायत इरमाये जिसकी चाहे सीधी राहकी (२१३)

أَمْ حَسِبْتُمْ أَنْ تَدْخُلُوا الْجَنَّةَ وَلَمَّا يَأْتِكُمْ مَثَلُ الَّذِينَ

کيا तुमने गुमान कर लिया कि दाबिल हो जाओगे जन्नतमें, और अभी नहीं आठ तुम्हारे पास वो हो डलत, जो उनकी थी कि

خَلَوْا مِنْ قَبْلِكُمْ مَسَّتْهُمُ الْبَأْسَاءُ وَالضَّرَاءُ وَزُلْزَلُوا حَتَّىٰ

गुजर चुके तुमसे पहले, पहोंची उनको सपनी और तंगी, और इस कहर डिला डले गये, कि

يَقُولَ الرَّسُولُ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ مَتَىٰ نَصْرُ اللَّهِ ۗ الْآرَأَنَ

के हो पडा भुट रसूल, और जो उसको मान चुके थे वो हो भी, कि कब होगी अल्लाहकी मदद. आगा हो रही ! कि

نَصْرُ اللَّهِ قَرِيبٌ ۖ يَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ ۗ قُلْ مَا أَنْفَقْتُ

अल्लाहकी मदद नज़्दीक है (२१४) तुमसे पूछते हैं कि क्या क्या खर्च करें... के हो हो जो करे पैरमें तुमने

مِنْ خَيْرٍ فَلِلَّوَالِدَيْنِ وَالْأَقْرَبِينَ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ وَ

लगाना चाडा, तो वो हो मां बाप और करलतदारों और यतीमों और मिरकीनों और

ابْنِ السَّبِيلِ ۗ وَمَا تَفْعَلُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ بِهِ عَلِيمٌ ۖ

मुसाफिरका होक है. और जो नेकी करो, तो बे-शक अल्लाह उसको जाननेवाला है (२१५)

كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِتَالُ وَهُوَ كَرْهٌ لَّكُمْ وَعَسَىٰ أَنْ تَكْرَهُوا

ईर्ज़ किया गया तुम पर ज़िडल, और वो हो नागवार है तुमको, और क्या दूर, कि तुम नागवार रहो किसी

شَيْئًا وَهُوَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَعَسَىٰ أَنْ تُحِبُّوا شَيْئًا وَهُوَ شَرٌّ لَّكُمْ ۗ وَاللَّهُ

चीजको, डललकि वो हो बेडतर है तुम्हारे लिये, और करीब है कि पसन्द करो किसी चीजको, डललकि वो हो भुरी तुम्हारे लिये. और

اللَّهُ يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ۗ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الشَّهْرِ الْحَرَامِ

अल्लाह जानता है और तुम नहीं जानते (२१६) पूछते हैं तुमसे माहे डरलममें

قِتَالٍ فِيهِ ۗ قُلْ قِتَالٌ فِيهِ كَبِيرٌ وَصَدٌّ عَن سَبِيلِ اللَّهِ وَ

लडनेका डुकुम. के हो इसमें लडना बडा ज़ुर्म है. और अल्लाहके रास्तेसे रोकना, और

كُفْرٌ بِهِ وَالْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَإِخْرَاجُ أَهْلِهِ مِنْهُ أَكْبَرُ عِنْدَ

इससे ईंकार कर डेना, और मस्जिडे डरलमसे रोक डेना है, और वडंके लोगोंको डरमसे निकाल डेना बडलत बडा ज़ुर्म है

اللَّهُ ۗ وَالْفِتْنَةُ أَكْبَرُ مِنَ الْقِتَالِ ۗ وَلَا يَزَالُ الَّذِينَ يُقَاتِلُونَكُمْ

अल्लाहके नज़्दीक. और ड़िल्ललगरोंका ड़िल्ला उनके कत्वसे बड कर है. और वो हो डमेशा ही तुमसे लडते बिलडते रहेंगे,

حَتَّىٰ يَرُدُّوكُمْ عَنْ دِينِكُمْ إِنِ اسْتَطَاعُوا ۗ وَقَنْ يَّرْتَدِدْ مِنْكُمْ

यहां तक कि हो सके तो तुमको तुम्हारे धर्मसे डेर दें. और जो डेर जाये तुम मेंसे

عَنْ دِينِهِ فَيَسْتَوْفَىٰ وَهُوَ كَافِرٌ فَأُولَٰئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فِي

अपने धर्मसे, डेर मर जाये इस हालमें कि काफिर है, तो वोह लोग हैं जिनका किया धरा जाता रहा,

الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ وَأُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۲۱۵﴾

दुनिया और आभिरतमें. और वोह जहन्नमवाले हैं. वोह उसमें हमेशा रहनेवाले हैं (२१७)

إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَاجَرُوا وَجَاهَدُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ

बे-शक जो ईमान लाये, और जिन्होंने डिजरतकी, और अल्लाहकी राहमें जिहाद किया,

أُولَٰئِكَ يَرْجُونَ رَحْمَتَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۲۱۶﴾ يَسْأَلُونَكَ

वोह उम्मीद रभें अल्लाहकी रहमतकी. और अल्लाह बप्शनेवाला रहमतवाला है (२१८) पूछते हैं तुमसे

عَنِ الْخَيْرِ وَالْأَيْسَرِ ۗ قُلْ فِيهِمَا إِتْمَامُ كَيْبِرٍ وَمَنَافِعُ لِلنَّاسِ ۗ

शराब और जूअके बारेमें. केह दो, “दोनोंमें गुनाह तो बडा है, और फाईदे हैं आम लोगोके लिये.” और

إِتْمَامًا أَكْبَرَ مِنْ نَّفْعِهِمَا ۗ وَيَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ ۗ قُلْ

उनका गुनाह ज़्यादा बडा है उनके फाईदेसे. और पूछते हैं तुमसे कि “क्या भर्य करे”.. केह दो “जो

الْعَفْوُ ۗ كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ تَتَفَكَّرُونَ ﴿۲۱۷﴾ فِي

तमाम भर्यसे भये.” इसी तरह भयान डेरमा देता है अल्लाह तुम्हारे लिये आयतें, कि अब सोच और गौरसे कामलो (२१८)

الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ الْيَتَامَىٰ ۗ قُلْ إِصْلَاحٌ لَهُمْ

दुनिया व आभिरतमें. और पूछते हैं तुमसे यतीमोंके बारेमें. केह दो “उनके बेहतरीका काम करना

خَيْرٌ وَإِنْ تُخَالِطُوهُمْ فَارْحَمُوا أَعْيُنَكُمْ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ الْمُفْسِدَ مِنَ

बेहतर है”, और अगर अपना उनका माल मिलाजुला कर रभो, तो वोह तुम्हारे भाई हैं. और अल्लाह मा'लूमकरा देता है इसादीकी अलग,

الْمُصْلِحِ ۗ وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَأَعْتَبَتْكُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۲۱۸﴾ وَلَا

भेरप्याडसे. और अगर अल्लाहने याहा छोटा, तो तुमको जरूर गिरफ्तारे मुसीबत कर देता, बेशक अल्लाह गलबेवाला डिक्मतवाला है (२२०) और मत

تَتَّبِعُوا الْمُشْرِكِينَ ۗ حَتَّىٰ يَوْمٍ لَا يُؤْمِنُ ۗ وَلَا أُمَّةٌ مُّؤْمِنَةٌ خَيْرٌ مِّنْ

निकाह करो शिर्कवालयोंसे, यहां तक कि ईमान लायें. और यकीनन ईमानवाली लौंडी बेहतर है

مُشْرِكَةٍ وَلَوْ أَعْجَبَتْكُمْ ۚ وَلَا تُنْكِحُوا الْمُشْرِكِينَ حَتَّىٰ يُؤْمِنُوا

शिकवालीसे, गो शिकवाली तुम्हें अच्छी लगे. और अपनी लड़कियोंको मुश्रिकीनके निकाहमें न दो यहाँ तक कि वोह ईमान कबूल

وَلَعَبْدٌ مُّؤْمِنٌ خَيْرٌ مِّنْ مُّشْرِكٍ ۚ وَلَوْ أَعْجَبَكُمْ ۗ أُولَٰئِكَ يَدْعُونَ

करें. और बिलाशुबह मुसलमान गुलाम बेहतर है उर मुश्रिकसे, गो वोह तुम्हें अच्छा लगे. वोह लोग बुलाअे जहन्नम

إِلَى النَّارِ ۗ وَاللَّهُ يَدْعُو إِلَى الْجَنَّةِ وَالْمَغْفِرَةِ بِآذَانٍ وَبَيِّنَاتٍ

की तरफ, और अल्लाह बुलाअे जन्नत और बप्शिशकी तरफ अपने हुकमसे, और साफ़ साफ़ बयान इरमाअे अपनी

آيَاتِهِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ﴿۲۲۹﴾ وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ النَّحِيضِ

आयतोंको लोगोंके लिये, कि अब सबक लें (२२९) और पूछते हैं तुमसे डेजके बारेमें.

قُلْ هُوَ آذَىٰ فَاَعْتَزِلُوا النِّسَاءَ فِي النَّحِيضِ وَلَا تَقْرُبُوهُنَّ

केह दो, “वोह गन्दगी है”, तो डटाअे रभो औरतोंको अय्यामे डेजमें, और उनकी कुर्बत न करो,

حَتَّىٰ يَطْهَرْنَ ۚ فَإِذَا تَطَهَّرْنَ فَأْتُوهُنَّ مِنْ حَيْثُ أَمَرَكُمُ اللَّهُ

यहाँ तक कि पाक हो जाअें. फिर जब पाक हो गई तो जाओ उनके पास उस मकामसे कि हुकम दिया तुमको अल्लाहने.

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَيُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ ﴿۲۳۰﴾ نِسَاءُكُمْ

बे-शक अल्लाह मडबूब बना लेता है बडोत तौबा करनेवालों और दोस्त रभता है साफ़ सुथरे रहनेवालोंको (२२२) तुम्हारी औरतें

حَرَّتْ لَكُمْ ۖ فَآتُوا حَرَّتَكُمْ أَنَّىٰ شِئْتُمْ ۖ وَقَدِّمُوا لِأَنفُسِكُمْ ۗ وَ

तुम्हारे लिये भेत हैं, तो जाओ अपने भेतमें जिस तरह याहो, और पेशगी लवाई कर दो अपने लिये. और

اتَّقُوا اللَّهَ ۖ وَعَلِمُوا أَنَّكُمْ مُّلْقُونَ ۗ وَبَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۲۳۱﴾ وَلَا

अल्लाहको डरो, और जान रभो कि बेशक तुम उससे मिलनेवाले हो. और बशारत दे दो ईमानवालोंको (२२३) और न

تَجْعَلُوا اللَّهَ عُرْضَةً لِأَيْسَانِكُمْ ۖ أَنْ تَبَرُّوا وَتَتَّقُوا ۖ وَتُصَلِّحُوا

बनाओ कसम भा कर अल्लाहको अपनी कसमोंका डदक, ओडसान करने और परडेजगारी करने और लोगोंमें सुलु

بَيْنَ النَّاسِ ۗ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۲۳۲﴾ لَا يُؤَاخِذُكُمُ اللَّهُ بِاللَّغْوِ

करानेमें. और अल्लाह सुननेवाला जाननेवाला है (२२४) नहीं गिरफ्त इरमाता तुम्हारी अल्लाह, तुम्हारी बेमा'ना

فِي أَيْسَانِكُمْ ۚ وَلَكِنْ يُؤَاخِذُكُمْ بِمَا كَسَبَتْ قُلُوبُكُمْ ۗ وَاللَّهُ

कसम पर. लेकिन हां, गिरफ्त इरमाता है उस कसमकी, जिसको तुम्हारे दिलोंने कमाया है. और अल्लाह

عَفْوٌ حَلِيمٌ ﴿۳۹﴾ لِلَّذِينَ يُؤْلُونَ مِنْ نِسَائِهِمْ تَرِيصٌ أَرْبَعَةٌ

બખ્શનેવાલા હિલ્મવાલા છે (૨૨૫) ઉનકે લિયે જો કસમ ખા જાએં અપની ઓરતોંકે પાસ જાનેકે બારેમં, મોહલત હે ચાર મહીને

أَشْهُرٌ فَإِنْ فَأَوْ فَإِنَّ اللَّهَ عَفْوٌ رَّحِيمٌ ﴿۴۰﴾ وَإِنْ عَزَمُوا

કી, પસ અગર ઉનહોંને રુજૂઅ કર લિયા, તો બેશક અલ્લાહ બખ્શનેવાલા રહમતવાલા છે (૨૨૬) ઓર અગર પક્કા ઇરાદા કર લિયા

الطَّلَاقِ فَإِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۴۱﴾ وَالْمُطَلَّقَاتُ يَتَرَبَّصْنَ

તલાકકા, તો બેશક અલ્લાહ સુનનેવાલા જાનનેવાલા છે (૨૨૭) ઓર તલાક દી હૂઈ ઓરતેં રોકે રહે

بِأَنْفُسِهِنَّ ثَلَاثَةَ قُرُوءٍ ۖ وَلَا يَحِلُّ لَهُنَّ أَنْ يَكْتَسِبْنَ مَا خَلَقَ

અપને આપકો, ત્રીન માહવારી, ઓર હલાલ નહીં હે ઉનકો છુપાના ઉસકા, કિ પૈદા ફરમા દિયા

اللَّهُ فِي أَرْحَامِهِنَّ إِنْ كُنَّ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ وَ

અલ્લાહને ઉનકે રહમતેં, અગર માનતી હેં અલ્લાહ ઓર પિછલે દિનકો. ઓર

بُعُولَتَهُنَّ أَحَقُّ بِرَدِّهِنَّ فِي ذَلِكَ إِنْ أَرَادُوا إِصْلَاحًا ۗ وَ

ઉનકે શોહર જ્યાદા હક રખતે હેં ઉનકે લોટા લેનેકા ઇસ મુદતમેં, અગર ઇરાદા કર લિયા ઇસ્લાહકા. ઓર

لَهُنَّ مِثْلُ الَّذِي عَلَيْهِنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۚ وَلِلرِّجَالِ عَلَيْهِنَّ

ઓરતોંકા હક ઇસી તરહ હે, જિસ તરહ ઉન પર હક હે બા-જાબતા. ઓર મદોંકો ઉન પર બડાઈ

دَرَجَةٌ ۗ وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿۴۲﴾ الطَّلَاقُ مَرَّتَيْنِ ۖ فَمَا سَاكُنَا

હે. ઓર અલ્લાહ ગલબેવાલા હિકમતવાલા છે (૨૨૮) તલાકે રજઈ દો બાર હે, ફિર ખુબીકે સાથ રોક

بِمَعْرُوفٍ أَوْ تَسْرِيحٍ بِإِحْسَانٍ ۗ وَلَا يَحِلُّ لَكُمْ أَنْ تَأْخُذُوا

લેના હે, યા ભલાઈકે સાથ છોડ દેના. ઓર નહીં હલાલ હે તુમહેં યહ, કિ લે લો જો દે

مِمَّا آتَيْتُمُوهُنَّ شَيْئًا إِلَّا أَنْ يَخَافَا أَلَّا يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ ۗ

ચુકે હો ઉનહેં કુછ, મગર યહ કિ દોનોંં ડરેં કિ ન પાબન્દી કર સકેંગે અલ્લાહકે કવાનીનકી.

فَإِنْ خِفْتُمْ أَلَّا يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ ۖ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا فِيمَا

તો અગર તુમહેં ડર લગે કિ ન કારમ રખ સકેંગે અલ્લાહકે હુદૂદકો, તો ઉન પર કુછ ઇલ્જામ નહીં, ઇસમેં

افْتَدَتْ بِهِ ۗ تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ ۖ فَلَا تَعْتَدُوهَا ۚ وَمَنْ يَتَعَدَّ

જો ઓરતને અપને છુટકારેકે લિયે દિયા. યહ અલ્લાહકે હુદૂદ હેં, તો ઉનસેં ન બઢો. ઓર જો બઢે

حُدِّدَ اللَّهُ فَأُولَئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿۲۲﴾ فَإِنْ طَلَّقَهَا فَلَا مَحْلُ

अल्लाहके छुट्टेसे, तो वोही ज़ालिम हैं (२२८) पस अगर आपरी तलाक दे दी दोबार की मुतलककाको, तो वोड औरत डलाव

لَهُ مِنْ بَعْدِ حَتَّى تَنْكِحَ زَوْجًا غَيْرَهُ فَإِنْ طَلَّقَهَا فَلَا جُنَاحَ

नहीं उस मटके लिये, यहाँ तक कि ज़अकेअे निकाह यभे दूसरे शौहरसे, फिर अगर दूसरा शौहर भी तलाक दे दे, तो

عَلَيْهِمَا أَنْ يَتَرَاجَعَا إِنْ ظَنَّا أَنْ يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ وَتِلْكَ

अभ ठन पर कोरि डरज नहीं, कि बाडम मिल जाअे, अगर दोनोंने तय कर लिया डो, कि क़ाठम रभेगे अल्लाहके छुट्टेको. यड हैं

حُدُودَ اللَّهِ يُبَيِّنُهَا لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ﴿۲۳﴾ وَإِذَا طَلَّقْتُمُ النِّسَاءَ

अल्लाहके छुट्टे, बयान इरमाता डे उनको उस कौमके लिये, जो डाना हैं (२३०) और जब तुमने तलाक दे दी औरतोंको,

فَبَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَأَمْسِكُوهُنَّ بِعُرُوفٍ أَوْ سَرَاحٍ

फिर वोड अपनी छदतकी मुदत तक आ पलोंयी, तो भत्से मुदतसे पडले उनको उम्दा तरीकेसे रोक लो, या मेडरबानीसे उनको

بِعُرُوفٍ وَلَا تَسْكُوهُنَّ ضِرَارًا لَتَعْتَدُوا وَمَنْ يَفْعَلْ

छोड डो, और उनको न रोक सतानेको, कि डदसे बढ जाओ. और जो यड करे,

ذَلِكَ فَقَدْ ظَلَمَ نَفْسَهُ وَلَا تَتَّخِذُوا آيَاتِ اللَّهِ هُزُوًا

तो भेशक अपने ठीपर जुल्म डिया. और न बनाओ अल्लाहकी आयतोंको ठड्डा. और

وَأَذْكُرُوا نِعْمَتَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَمَا أَنْزَلَ عَلَيْكُمْ مِنَ الْكِتَابِ

जिक करो अल्लाहकी नेमतका अपने ठीपर, और जो उतारा तुम पर किताब और

وَالْحِكْمَةِ يَعِظُكُمْ بِهِ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ

डिकमत, नसीडत इरमाता डे तुम्हारी ठससे, और डरो अल्लाहको और जान रभो कि भेशक अल्लाह डर थीजका

عَلِيمٌ ﴿۲۴﴾ وَإِذَا طَلَّقْتُمُ النِّسَاءَ فَبَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَلَا تَعْصِلُوهُنَّ

जाननेवाला डे (२३१) और जब तलाक दे दी तुमने औरतोंको, फिर उन्होंने पूरी कर ली अपनी मुदते छदतको, तो तुम उनको न

أَنْ يَتَّكِفْنَ أَرْوَاجَهُنَّ إِذَا تَرَاضُوا بَيْنَهُمْ بِالْعُرُوفِ ۗ ذَلِكَ

रोको ठससे कि निकाह कर लें अपने युने डूअे शौहरोंसे, जबकि बाडम रज़ामन्ड डो गअे बाकाठड। यड

يُوعِظُ بِهِ مَنْ كَانَ مِنْكُمْ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ ذَلِكَ

नसीडत दी जाती डे उसको, जो तुम भेसे माने अल्लाहको और पिछले डिनको. यड तुम्हारे लिये

أَرْكَى لَكُمْ وَأَطْهَرُ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿۲۳﴾ وَالْوَالِدَاتُ

ج्यादा پاک و ساک ہے. اور اعلیٰ جاننا ہے اور تم نہیں جانتے (۲۳) اور ماؤں

يُرْضِعْنَ أَوْلَادَهُنَّ حَوْلَيْنِ كَامِلَيْنِ لِمَنْ أَرَادَ أَنْ يُبْرِتَهُ

دھ پیلانے اپنی اولادکو دو برس کاویل، اسکے لیئے جسنے تہ کر لیا دھ پیلانےکی مدت

الرِّضَاعَةَ ۗ وَعَلَى الْمَوْلُودِ لَهُ رِشْقُهُنَّ وَكِسْوَتُهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۗ

پوری کرنےکی. اور جس باپکا بڑیا ہے، اس پر اورتوںکا پانا کپڑا ہے ہرہے دستور.

لَا تُكَلِّفُ نَفْسٌ إِلَّا وُسْعَهَا ۗ لَوْلَا رِشْقُ وَالِدَاتِ بَوْلِهِنَّ لَوَلَدَتْ

نہی تکلیف دیا جاتا کوہ، مگر اسکی سکت ہر. ن سٹاہ جاہے ماں اپنے بڑیکی وچہسے، اور ن

مَوْلُودُ لَهُ بِوَلَدِهِ ۗ وَعَلَى الْوَارِثِ مِثْلُ ذَلِكَ ۗ فَإِنْ أَرَادَا

باپ اپنی اولادکی وچہسے. اور باپکے وارث پر ہسی ترہ واریہ ہے. پس اگر ماں باپنے تہ کر لیا

فَصَالَا عَنْ تَرَاضٍ مِنْهُمَا وَتَشَاوُرٍ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا وَإِنْ

دھ لڑانےکی باہمی پوہی اور مشورہسے، تو دونوں پر کوہ ہلجام نہی. اور اگر

أَرَدْتُمْ أَنْ تَسْتَرْضِعُوا أَوْلَادَكُمْ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِذْ سَأَلْتُمُوهُم

تومنے یاہا کی ہاہسے دھ پیلوانے اپنے بڑیوںکو، تو تمپر کوہ ہلجام نہی. جب کی ہے دیا ہ تو منے

مَا آتَيْتُم بِالْمَعْرُوفِ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَعَلِمُوا أَنَّ اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ

جو کچھ ہڈرا لیا یا باکاہہا. اور ہرو اعلیٰکو اور جان رہو کی ہشک اعلیٰ توہڈارے کیئےکی

بَصِيرٌ ﴿۲۴﴾ وَالَّذِينَ يَتَوَقَّوْنَ مِنْكُمْ وَيَذَرُونَ أَزْوَاجًا يَتَرَبَّصْنَ

ہہنےوالا ہے (۲۴) اور جنکو وکات ہی جاہے تم ہسے، اور وول ہوں ہیہیاں، تو اورتے اپنےکی راک

بِأَنْفُسِهِنَّ أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ وَعَشْرًا ۗ فَإِذَا بَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَلَا

رہے یار مہیانا ہس ہین. پس جب پوری کر لہی اپنی مدتے ہہتکی، تو تم

جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا فَعَلْنَ فِي أَنْفُسِهِنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۗ وَاللَّهُ بِمَا

پر کچھ ہرہ نہی ہسہے، جو وول کر گوری ہوں اپنے ہارہے، کائنکے مواکیک. اور اعلیٰ

تَعْمَلُونَ خَيْرٌ ﴿۲۵﴾ وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا عَرَّضْتُم بِهِ مِنْ

باہہر ہے ہسہے جو تم کرو (۲۵) اور تم پر کچھ ہلجام نہی ہسہے، کی ہہے ہہے اورتوںکی مہگنی

ذکر اللہ

إِسْرَائِيلَ مِنْ بَعْدِ مُوسَىٰ إِذْ قَالُوا لِنَبِيِّ لَنَا مَلِكًا

ہا'د جمان-آ-موسا کے... جب کہ وہ لوہے اپنے نبی کو کہ "ہمارے لیے کسی کو بادشاہ بنا کر بڑا کر دو،

تُقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ قَالَ هَلْ عَسَيْتُمْ إِنْ كُتِبَ عَلَيْكُمُ

کہ ہم لوگ اے اللہ کی راہ میں." کہا "کچھ دُور نہیں تم سے، کہ اگر فرض کر دیا جائے تو تم پر

الْقِتَالُ أَلَّا تُقَاتِلُوا قَالُوا وَمَالَنَا أَلَّا نُقَاتِلَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ

لڑنا، یہ کہ نہ لڑو." سب لوہے "اور ہمارے لیے کیا وجہ ہے کہ نہ لڑو اے اللہ کی راہ میں،

وَقَدْ أَخْرَجْنَا مِنْ دِيَارِنَا وَأَبْنَائِنَا فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْقِتَالُ

ڈالنا کہ ہم نکلے گئے ہیں اپنے گروں اور بھائیوں سے".... پھر جب فرض کیا گیا تو تم پر لڑنا،

تَوَكَّلُوا إِلَّا قَلِيلًا مِنْهُمْ وَاللَّهُ عَلَيْهِمُ بِالظَّالِمِينَ ﴿۱۳۸﴾ وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ

تو بھل کر لیا مگر ان کے چندوں نے، اور اللہ انہیں ظالموں کے لیے ہے (۱۳۸) اور ان کو کہا ان کے نبی نے

إِنَّ اللَّهَ قَدْ بَعَثَ لَكُمْ طَالُوتَ مَلِكًا قَالُوا آتِنَا بِآيَةٍ مِنَ الْمَلِكِ

"بے شک اللہ نے بڑا کیا ہے تمہارے لیے تالوت کو بادشاہ." سب لوہے "کیسے تیرے لوگوں کی اس کی ہدایت

عَلَيْنَا وَنَحْنُ أَحَقُّ بِالْمَلِكِ مِنْهُ وَلَمْ يُؤْتِ سَعَةً مِنَ الْمَالِ ط

ہم پر، ڈالنا کہ ہم زیادہ لائق ہیں ہدایت کے، اور اس کو تو مال میں بھی ہدایت نہیں دی گئی."

قَالَ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَاهُ عَلَيْكُمْ وَزَادَهُ بَسْطَةً فِي الْعِلْمِ وَالْجِسْمِ ط

کہا "بے شک اللہ نے اس کو تم پر چون لیا ہے اور علم و جسم میں اس کی ہدایت بڑھائی ہے۔"

وَاللَّهُ يُؤْتِي مَلِكَهُ مَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿۱۳۹﴾ وَقَالَ لَهُمْ

"اور اللہ اپنے ملک کو جو چاہے دے۔ اور اللہ وسیع و عالم ہے" (۱۳۹) اور کہا ان کو ان کے

نَبِيِّهِمْ إِنَّ آيَةَ مُلْكِهِ أَنْ يَأْتِيَكُمُ التَّابُوتُ فِيهِ سَكِينَةٌ مِمَّنْ

نبی نے "بے شک اس کی ہدایت کی نشانی یہ ہے، کہ آئے تمہارے پاس تابوت، جس میں سامان سکون ہے

رَبِّكُمْ وَبَقِيَّةٌ مِمَّا تَرَكَ آلُ مُوسَىٰ وَآلُ هَارُونَ تَحْمِلُهُ الْمَلَائِكَةُ ط

تمہارے رب کی طرف سے، اور بچا ہوا تہذیب ہے ہزارت موسیٰ و ہزارت ہارون کا، اٹائے ہیں اس کو فرشتے۔

إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَةً لِّكُمْ إِنْ كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿۱۴۰﴾ فَأَمَّا فَصْلُ الطُّورِ

بے شک اس میں ہزار نشانی ہے تمہارے لیے، اگر تم ماننے والوں سے ہو" (۱۴۰) پس جب الگ کر لیا تالوت نے

ذکر اللہ

